भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
बायोटेक्नोलॉजी विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2203
उत्तर देने की तारीख : 06 अगस्त, 2026

असम में चाय जीनोम अनुसंधान केंद्र की स्थापना

2203. श्री तेराश गोवाला:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का स्वदेशी चाय की किस्मों पर जीनोमिक अनुसंधान करने के लिए असम में भारत के पहले चाय जीनोम अनुसंधान केंद्र की स्थापना करने का विचार है;

(ख) क्या अनुसंधान संस्थानों से इस संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ग) इसका अनुमानित वित्तीय परिव्यय कितना है; और

(घ) चाय की उत्पादकता, जलवायु सहनीयता और निर्यात में सुधार लाने की दिशा में इससे क्या योगदान मिलने की संभावना है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क), (ख), और (ग) भारत सरकार, असम में चाय जीनोम अनुसंधान केंद्र की स्थापना में सहायता के लिए किसी भी प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार करेगी। हालांकि, चाय जीनोम अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता हेतु भारत सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(घ) भारत सरकार ने चाय की अपेक्षित किस्मों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उसकी ऊपज, गुणवत्ता और उन्हें जलवायु अनुकूल बनाने के लिए 'टोकलाई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट' और असम राज्य के अन्य संस्थानों को अनुवांशिक साधनों का उपयोग करने वाली अनुसंधान परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है। इन परियोजनाओं से चाय की अपेक्षित किस्में तैयार होंगी और इससे निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा। पिछले पांच वर्षों में सहायता प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं का ब्यौरा 'अनुलग्नक I' में दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) में दो प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं, जो वर्तमान में समीक्षाधीन हैं।

अनुलग्नक I

क. सहायता प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं की सूची

क्रम सं.	वित्तीय वर्ष	परियोजना का नाम	संस्थान का नाम	स्थिति
1	2021-22	पारंपरिक और जैविक चाय बागानों में जैविक और अजैविक के महत्व प्रबंधन के लिए संपोषणीय कृषि पद्धतियां विकसित करना	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी 'टोकलाई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट	पूरी हो चुकी है।
2		भारतीय चाय में जेनेटिक इंजीनियरिंग के लिए एक कार्य कुशल प्लेटफॉर्म स्थापित करना	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी 'टोकलाई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट	पूरी हो चुकी है।
3		चाय की उपज, मेटाबोलाइट और उपयोगिता को बनाए रखने के लिए जर्मप्लाज्म लक्षण वर्णन, जीनोमिक्स विश्लेषण और जीन की खोज	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट 'टोकलाई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट	चल रही है।
4		चाय उद्योग को कार्बन न्यूट्रल और शून्य अपशिष्ट उद्योग में परिवर्तित करने के लिए चाय अपशिष्ट का संपोषणीय प्रबंधन	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट	चल रही है।
5		चाय के गुणों को बढ़ाना और इसके उत्पाद में विविधता लाना	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट टोकलाई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट	चल रही है।

ख. प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों की सूची

क्रम सं.	वित्तीय वर्ष	परियोजना का नाम	संस्थान का नाम	स्थिति
1	2026-27	पूर्वोत्तर भारत में सतत उत्पादन के लिए माइक्रोबायोम-पर आधारित चाय की गुणवत्ता में वृद्धि और इसकी उपयोगिता को बनाए रखना	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट	समीक्षाधीन
2		असम और पश्चिम बंगाल में एकीकृत आणविक सत्यापन, बहु-स्थान परीक्षणों और सहभागी ब्रीडिंग के माध्यम से जलवायु-अनुकूल चाय (कैमेलिया असामिका) की किस्मों को विकसित करना	टोकलाई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोरहाट	समीक्षाधीन

****